Nai Dunia (Indore), 10th September 2023, Nai Dunia City, Page – I

अब नए आसमान पर आइआइटी की 'दृष्टि'

डीप टेक स्टार्टअप्स को नई उड़ान देगा आइआइटीआइ दृष्टि, एसटीपीआइ के साथ किया एमओयू

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर के दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन ने स्टार्टअप को गति देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण एमओयू साइन किया है। यह एमओयू विशेष तौर पर डीप टेक स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए किया गया है। इस बार दृष्टि फाउंडेशन ने साफ्टवेयर टेक्नोलाजी पार्क आफ इंडिया (एसटीपीआइ) मोहाली इंस्टीट्यूशन (पंजाब) के साथ हाथ मिलाया है। इस दौरान आइआइटीआइ दृष्टि के स्टार्टअप सेल के प्रमुख अमनदीप श्रीवास्तव और एसटीपीआइ मोहाली के डायरेक्टर अजय प्रशाल श्रीवास्तव ने आनलाइन समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। दोनों के बीच डीप टेक के स्टार्टअप को ग्रोथ प्रदान करने के लिए समझौता हुआ है।

आदर्श सिंह

आइआइटीआइ दृष्टि स्टार्टअप सेल के प्रमुख अमनदीप श्रीवास्तव ने बताया कि एसटीपीआइ के न्यूरान मोहाली डिविजन के साथ एमओयू एक लंबे समय के लिए किया गया है। देश में डीप टेक के स्टार्टअप्स को न्यूरान हरसंभव तरीके से मदद प्रदान कर रहा है। इसी प्रकार आइआइटीआइ दृष्टि केवल 50 ही नहीं बल्कि आगे आने वाले अन्य स्टार्टअप्स को भी इंक्यूबेशन से लेकर फंडिंग जैसी हरसंभव मदद प्रदान करेगा। बता दें कि एसटीपीआइ के कई डिविजन हैं, जिनमें से न्यूरान मोहाली सेंट्रल हब है। वहीं एसटीपीआइ मिनिस्ट्री आफ इलेक्ट्रानिक्स एंड इंफर्मेशन टेक्नालाजी के अंतर्गत आता है।

दरअसल, देश में ऐसी कई बड़ी तकनीकी कंपनियां हैं, जो देश और विदेश में अपने साफ्टवेयर सप्लाई करती हैं। इन साफ्टवेयर्स को असिस्टेंट्स प्रदान करने का कार्य एसटीपीआइ करता है। एसटीपीआइ डाटा सेंटर, सर्वर, मैनेजमेंट, सिक्योरिटी और अन्य सेवाएं प्रदान करता है। एसटीपीआइ के साथ एमओयू करने से आइआइटी इंदौर को भी लाभ मिलेगा। एसटीपीआइ 25 लाख रुपये तक फंडिंग प्रदान कर सकता है। ऐसे में अगर आइआइटी इंदौर या आइआइटीआइ दृष्टि के सहयोग से कोई स्टार्टअप शुरू करता है, तो उसे एसटीपीआइ के क्लाउड स्पेस और फंडिंग की मदद मिल सकती है। इसके अलावा एसटीपीआइ टेक्निकल स्पेस और वर्किंग क्लाउड की मदद भी प्रदान करेगा। इसी क्रम में कुछ प्रोग्राम आइआइटी इंदौर में और कुछ एसटीपीआइ मोहाली में आयोजित किए जाएंगे।

आइआइटीआइ दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन की टीम। ●सौ. सस्थान

एमओयू आइआइटीआइ दृष्टि के साथ ही क्यों?

एसटीपीआइ डीप टेक वाले स्टार्टअप को ही मदद प्रदान करता है। कुछ इसी तरह आइआइटीआइ दृष्टि भी डीप टेक को बढ़ावा देने का कार्य कर रही है। इसी के चलते एसटीपीआइ ने आइआइटीआइ दृष्टि के साथ मिलकर काम करने का तय किया है। अब दोनों मिलकर आने वाले 18 माह में भारत के 50 डीप टेक स्टार्टअप को सपोर्ट करेंगे। इस दौरान छह-छह माह के तीन प्रोग्राम चलाए जाएंगे।

क्या होते हैं डीप टेक स्टार्टअप

डीप टेक के तहत वे प्रौद्योगिकियां शामिल की जाती हैं, जो गहन वैज्ञानिक और इंजीनियरिंग की अद्भुत प्रवृत्तियों पर आधारित होती हैं। उदाहरण के लिए, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) और मशीन लर्निंग डीप टेक के उदाहरण हैं क्योंकि इनमें जटिल एल्गोरिदम और माडल का प्रयोग होता है, जो मशीनों को डेटा से सीखने और स्वयं ही बड़े फैसले लेने की क्षमता प्रदान करते हैं। आइआइटीआइ दृष्टि ऐसे ही स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए कार्य कर रही है।